8954152432
8445897271

SAMAK BIO ENERGY FPC LTD.

SAMAK

Ref. No. SAMAK/UP57/11/20 Date. 12-8-20

सेवा में

श्रीमान पी0 एस0 ओझा जी
राज्य समन्वयक
उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड
लखनऊ (उ0प्र0)

विषय — प्रगति विवरण की सुखद प्रस्तुति और उज्जवल भविष्य हेतू कार्य योजनाओं में भागीदारी के सन्दर्भ में।

महोदय — सन् 2016 में आपके साथ वार्ता पूर्वक हमने उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ कियें। जिनके कारण हमारी जिन्दगी व कार्य योजनाओं मे जो परिवर्तन आये। हमारी जिम्मेदारियां बढी सम्मान बढा तथा उज्जवल भविष्य के सफल संकेत मिले। उसमें आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उस संदर्भ मे लिखित प्रगति प्रस्तुत है। अवलोकन कर कृतार्थ करें। सभी FPO'S के किसानों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश राज्य में किसानों के साथ –2 ग्रामीण स्तर पर कुछ सुखद कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से चलाए जाने हेतू आपके कुशल नेतृत्व की आवश्यक भूमिका है।

इस कामना से सफलता की ओर

शुभाकाक्षी।

प्रभावी परिवर्तन के सुखद संयोग नाम से प्रगति रिर्पोट संलग्न है।

For Samak Bio Energy FPC Ltd.

Director

पदमश्री डा0 भारत भूषण त्यागी
निदेशक
समक बायो एनर्जी फार्मर प्रोडयूसर कम्पनी लि0
ग्राम – बिहटा, जिला – बुलन्दशहर
फोन नं0 8755449866

324,Village & Post beehta, Tehsil Siyana,
Distt. Bulandshahr (U.P.), Bharat - 245402
samakbioenergyfpcl@gmail.com

प्रभावी परिवर्तन के सुखद संयोग

अपनी जिन्दगी की समीक्षा करते हुए कुछ महत्वपूर्ण सुखद यादों को प्रस्तावित करने का मन बना। क्योकि सफलता साझी होती है व्यक्ति वादी नही। जिन्दगी की यात्रा में कुछ ऐसे भी संयोग बन जाते है। जिनकी प्रेरणा से उपलब्धिया हमारी मेहनत और उम्मीद से बहुत ज्यादा होती है। तथा प्रशन्नता पहले से ज्यादा जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार होती है। ऐसा ही एक सुखद संयोग सन् 2016 में जनपद बुलन्दशहर के जिलाधिकारी श्री आन्जनेय कुमार जी से मिलने पर हुआ। कृषि एवं ग्राम विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा में उन्होनें सम्पर्क हेतू परिचय दिया श्री प्रभाशंकर औझा जी का जो उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड के राज्य समन्वयक के पद पर कार्यरत है।

SHREE. AUNJANEYA KUMAR SINGH JI IAS DM Bulandshahr

सरकारी विभागों के साथ हमारी स्वीकृति बहुत अच्छी नही थी। पद के अधिकार में लिप्त ज्यादा लोगों से मन भर गया था। पद के प्रति जिम्मेदार लोगों की तलाश थी। इसलिए आदरणीय ओझाजी से फोन पर वार्ता पर मिलना सुनिश्चित किया। लखनऊ पहुॅचकर उनसे लम्बी वार्ता के आधार पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड की गतिविधियों को भी समझा। तब से आज तक हमारी जिन्दगी में जो परिवर्तन आया उस खुशी की अभिव्यक्ति यह प्रस्ताव है।

इस संदर्भ में हमने अपनी सन् 2016 से पहली जिन्दगी का भी थोडा परिचय देना उचित समझा। 4 जनवरी सन् 1954 को किसान परिवार में जन्म हुआ। माता पिता की सदगृहस्थी एवं पुन्यशीलता की प्रेरणा में शिक्षा उपरान्त नौकरी नही करने के साथ गांव में रहकर खेती करने का निर्णय लिया।

आधुनिक खेती के प्रयोग करते –2 असन्तुष्टी पूर्वक सन् 1987 में आध्यात्मिक साधनाओं के साथ –2 खेती में रसायनों से मुक्त होने के प्रयास प्रारम्भ किय गयें। सफलता की कामना से **सन् 1997 में मध्यस्थ द"र्शन सह–आस्तित्व वाद प्रणेता पूज्य श्री अग्रहार नागराज जी अमर कंटक से मिलना हुआ।** जिसमें जिज्ञासा पूर्वक पूछे गये प्रश्नों के व्यवस्था सहज उत्तर मिलने से सम्पूर्ण प्राकृतिक व्यवस्था को समझने और जीने का विश्वास बढा। साथ –2 जैविक खेती के अनेक प्रयोगों को जांचा। जिसमें यह पाया कि जैविक खेती भी अलग –2 तरिके और लागत में फंसकर रह गई।

इसलिए खेती का सार्थक विकल्प खोजने की आवश्यकता है। सम्पूर्ण प्रकृति के सह–आस्तित्व स्वरूप का अध्ययन एवं अभ्यास पूर्वक यह बात समझ आई कि खेती समझ से होगी लागत से नही। किसानों को व्यवहारिक रूप में यह बात कैसे समझाई जायं उनके लिए व्यवहारिक प्रयोग माडल तैयार किये जायं। इसी दिशा में सहज रूप में चल रही जिन्दगी में परिवार की सहयोगी भूमिका में हमारा पूरा परिवार ही अध्ययन एवं प्रयोग केन्द्र के रूप में किसानों को स्वीकार हुआ।

एक ऐसी किसान पाठशाला जिसमें प्रतिवर्ष लगभग 8000 से ज्यादा किसान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासु जैविक खेती का अध्ययन निशुल्क प्राप्त करते रहे। जिसें देखने के लिए संस्थान पर आदरणीय कृषि मन्त्री जी उत्तर प्रदेश सरकार श्रीसूर्यप्रताप शाही जी व माननीय कृषि उत्पादन आयुक्त श्री प्रभात कुमार जी IAS भी पधारे। जिनकी प्रेरणा से हमको बहुत ही उत्साह वर्धन हुआ।

SHREE. SOORYAPRATAP SHAHI JI KRISHI MANTRI

SHREE. . PRABHAT KUMAR JI IAS APC UP

जिसमें कामना यही रही कि इस सार्थक विकल्प को देश में सभी किसानों तक कैसे पहुॅचाया जायं। इसका राष्ट्रहित में लोकव्यापीकरण हो। मेरी बात को कोई पूरी तरह सुनले व जांचले। इसके लिए में श्री पी0एस0 ओझा जी के प्रति कृतज्ञ हूॅ। जिन्होंने तीन घन्टे व्यक्तिगत रूप में साथ बैठकर खेती के इस माडल को सुना और सार्थक विकल्प के रूप में स्वीकारा और इसके नामकरण का संकेत भी दिया। हमने सोच विचार कर अपनी छोटी सी भूमिका के साथ इस विकल्प का **नाम सह–आस्तित्व मूलक आवर्तन"ील कृशि (समक) माडल रखा**।

आदरणीय ओझा जी ने संकेत दिया कि आपकों किसानों के साथ कृषक उत्पादक क0 प्रारूप में कार्य करने की आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में हमने उनके सम्मुख दो प्रस्ताव रखें।

1. कृषक उत्पादक कं0 व्यापार की मानसिकता से नही व्यवसाय की मानसिकता से ही सफल होगी। इसलिए कृषक उद्यमिता विकास का व्यवसायिक अध्ययन कृषको को कराया जायं।
2. अलग –2 कार्य योजनाओं को समेकित करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सह–अस्तित्व को वस्तु के रूप में समझा जायं।

इस संवाद में उनके साथ जो सहमति बनी हमारे साथियों ने उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ कियें। इसी प्रयास में नवम्बर 2018 में सभी साथियों ने क्षेत्रिय स्तर पर किसानों से चर्चा कर एक फार्मर प्रोडयूसर कम्पनी का **समक बायों इनर्जी फार्मर प्रोडयूसर क0 ली0** के नाम से पंजीकरण कराया गया। तथा आयुष मंत्रालय भारत सरकार के योजनार्तगत लघु पौधशाला जैव ऊर्जा बोर्ड के माध्यम से भी की गई।

इसके साथ –2 आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना में कृषक सशक्तिकरण अभियान के अर्नगत मनरेगा कन्व्रजेन्स जैसे उपयोगी कार्यक्रमों को समेकित रूप में चलाया जाना सुनिश्चित किया गया। जिसमें

1. किसानों को उत्पादन प्रबन्धन अर्थात जैविक खेती के लिए आवश्यक समझ और लागत का अध्ययन एवं प्रशिक्षण कराया जाना।
2. किसानों को जैविक खेती के प्रमाणीकरण हेतू घरेलू राष्ट्रिय जैविक मानक के अनुरूप पी0जी0एस इन्डिया आग्रेनिक सर्टीफीकेशन प्रोग्राम के अन्तर्गत पंजीकृत कर सर्टीफीकेशन कराया जाना।
3. किसानों को FSSAI – Organic मानक के अनुरूप प्रोसेसिंग ईकाई स्थापना सम्बन्धि व्यवहारिक एवं प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्रदान करना। जिसमें जैविक उत्पादन के प्रोसेसिंग उपरान्त तैयार जैविक उत्पादों का ब्रान्डिंग पेकेजिंग एवं विपणन सम्बन्धि जानकारी देना।

4. इसके साथ –2 किसानो को फार्म मशीनरी बैंक, बीज कोष व पौधशाला सम्बन्धि जानकारी देना। विशेष रूप में लघु एवं सीमान्त किसानों को समय पर आवश्यक मदद प्रदान करना।
5. जैविक उत्पादन मे कीटनाशी रसायनों के अवशेष को जांचने की लेब स्थापित करना ताकि समक माडल के रूप में जैविक खेती अभियान को रूप लें। इस दिशा में गंगा नदी तट के साथ गांव में बांस, लेमन ग्रास, सहजन, सर्पगन्धा, सतावर और खस आदि फसलों को कलस्टर आधारित कार्य योजना के रूप में क्रियान्वित करना। तथा प्रदेश स्तर पर समक माडल को FPO के साथ चलाये जाने की योजना बनाना। आदि कार्या के साथ –2 संस्थान पर हमारे प्रोत्साहन के लिए पधारे मनिषियों का हमको मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। जिनका विवरण निम्नवत है।

SPECIAL VISITORS

SHREE. ALOK SINHA JI IAS COMMISSONER MEERUT

SHREE. JAGDISHWAR GOBURDHUN JI - (HIGH COMMISSIONER OF MAURITIUS)

SHREE. AMIT MOHAN PRASAD JI IAS APC UTTAR PRADESH

SHREE. TEZ PRATAP SINGH JI (VC PANTNAGAR AGRICULTURE UNIVERSITY)

SHREE. P.S. OJHA JI (STATE COORDINATOR- UP STATE BIO ENERGY DEVELOPMENT BOARD)

SHREE. KRISHAN CHANDRA JI (DIRECTOR NCOF)

SHREE. MAHA MAHIM ARIF MOHAMMAD KHAN JI (GOVERNOR OF KERALA)

Awards

Receiving Dharti Mitra Award by Union Agriculture Minister Shri Radha Mohan Singh

गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखण्ड में 29 अप्रैल 2019 में हुए 32 वाँ दीक्षांत समारोह में पद्मश्री भारत भूषण त्यागी जी को माननीय राज्यपाल (उत्तराखण्ड) महोदया श्रीमति बेबी रानी मौर्या जी के द्वारा विज्ञान वारिधि की मानद उपाधि से सम्मानित करते हुए।

नई दिल्ली में 16 मार्च 2019 को महामना माननीय राष्ट्रपति महोदय श्री राम नाथ कोविन्द जी के द्वारा पद्मश्री ग्रहण करते हुए

श्री भारत भूषण त्यागी जी।

इस सफलता में मित्रवत श्री पी0एस0 ओझा जी का स्नेह एवं उत्तर प्रदेश जैव ऊर्जा विकास बोर्ड की कार्य योजनाओं से हम सभी FPO के किसान मिलकर कृषि एवं ग्राम विकास का सफल अभियान राष्ट्र को अर्पित करने में संकल्पित है।

प्रस्तुति द्वारा

पदमश्री ड़ा0 भारत भूषण त्यागी
निदे"ाक
समक बायो एनर्जी फार्मर प्रोडयूसर कम्पनी लि0
ग्राम – बिहटा, जिला – बुलन्दशहर
फोन नं0 8755449866